'सपना'

कुष्ठ मुक्त हरियाणा का

आशा के लिए कुष्ठ रोग में प्रशिक्षण हेतु पुस्तिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा

कुष्ठ रोग
जानें व समझें

- कुष्ठ रोग जीवाणुओं (रोगाणुओं) से होता है।
- यह त्वचा, अंगो के अंदरूनी भाग और नसों को प्रभावित करता है।
- यह किसी भी उम्र के व्यक्ति, स्त्री-पुरुष दोनों को प्रभावित कर सकता है।
- यदि समय पर इसका उपचार न किया जाए तो यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है।
- कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है।
- कुष्ठ रोग से जुड़ी विकृति को रोग का प्रांरभिक अवस्था में निदान तथा एमडीटी द्वारा उपचार से रोका जा सकता है।

कुष्ठ रोग का जल्दी पता लगाएं और इसका बहुऔषध थैरेपी (एमडीटी) द्वारा उपचार करें।

कुष्ठ रोग
रोगाणु से होता है,
पाप या श्राप से नहीं

कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति की पहचान कैसे करें

यदि किसी व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई एक या अधिक लक्षण/अथवा संकेत नजर आते हैं तो आप यह अनुमान लगा सकते हैं कि वह व्यक्ति कुष्ठ रोग से पीड़ित है और निदान की पुष्टि के लिए उसे आप निकटतम स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर के पास रेफर कर सकते हैं।

लक्षण

कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं:-

1. त्वचा पर चकता पड़ना और त्वचा का सुन्न होना (ताप, स्पर्श और पीड़ा महसूस न करना)

- चकता:- पीला, लाल और तांबई रंग वाला
- छोटा/बड़ा
- एक अथवा अनेक
- चकता उभरा हुआ व शरीर पर कहीं पर भी हो सकता है

इनमें से कोई भी लक्षण हो तो तुरंत जांच करवायें

2. बाहरी सतह की नसों का प्रभावित होना

- मोटी नसे (रस्सी नुमा)- विशेष रूप से कान के पीछे, बाहों और टांगों पर पायी जाती है।
- संवेदनहीनता - स्पर्श, पीड़ा व ताप विशेष रूप से उंगलियों और पैर के तलवे में होती है।
- कुछ क्रियाएं करने में कमजोरी/ असमर्थता- जैसे, अंगूठे व उंगलियों के आपस में स्पर्श करने में, कलाई पर हाथों को पीछे की ओर मोड़ने में, पैर को ऊपर की ओर घुमाने अथवा आंखें पूरी तरह बंद करने में असमर्थता का कारण कुष्ठरोग हो सकता है।

२. त्वचा का मोटा होना-
लाल रंग की अथवा त्वचा के रंग की गांठों अथवा संवेदनहीनता के बिना चिकनी और चमकदार त्वचा का अनावश्यक विस्तार होकर मोटा हो जाना। चेहरे अथवा कान के बाहरी हिस्से में सूजन होना।

3. विकृति और अपंगता

कुष्ठ रोगियों में निम्नलिखित विकृतियां और अपंगता पाई जा सकती हैं।

हाथों अथवा पांवों का टेढ़ा होना।

- पांवों का उतरना/लटकना- पांव को टखने के जोड पर ऊपर की ओर मोड़ने में अक्षमता, पांव से चप्पल फिसल जाना तथा चलते हुए पाँव को अधिक ऊपर उठाना।

- कलाई का उतरना/लटकना- हाथ को कलाई के जोड़ पर पीछे की ओर न मोड़ पाना।

- आंखों को पूरी तरह बंद न कर पाना।

- कुष्ठ के कारण तलवों और हथेलियों में बार-बार दर्द रहित घाव हो सकते हैं जिसे अल्सर कहा जाता है।

आपको जब कुष्ठ का संदेह हो- व्यक्ति को नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सक के पास रोग की पुष्टि और उपचार शुरू करने के लिए भेजें।

कुष्ठ रोग से निपटने/ रोकने का सर्वोतम तरीकाः-

कुष्ठ रोग को जल्दी पता लगांए और इसका एम.डी.टी. द्वारा उपचार करें।

एम.डी.टी- दो/तीन प्रकार की दवाईयां जो कि:

- जीवाणुओं को मारती है।
- रोग के प्रसार को रोकती है।
- कुष्ठरोग को ठीक करती है।
- विरूपता को रोकती है।

कुष्ठरोग को वर्गीकरण

कुष्ठ रोग दो प्रकार का होता है

1. पी.बी. (Paucibacillary)
2. एम.बी. (Multibacillary)

पी.बी: जिस व्यक्ति के शरीर में 1 से 5 सुन्न दाग-धब्बे होते है अथवा एक तंत्रिका प्रभावित होती है, उसे पी.बी. प्रकार का मरीज कहते है।

एम.बी. : जिस व्यक्ति के शरीर में 5 से अधिक सुन्न दाग-धब्बे होते है अथवा एक से अधिक तंत्रिका प्रभावित होती है, उसे एम.बी. प्रकार का मरीज कहते है।

अगर बीमारी एम.बी. हो तो उपचार की अवधि 12 माह में 12 खुराक

अगर बीमारी पी.बी. हो तो उपचार की अवधि 6 माह में 6 खुराक

जिस परिवार में कुष्ठ रोग का मरीज़ हो उस परिवार के सभी बच्चों की कुष्ठ के लिए जांच की जानी चाहिए।

एम बी वयस्क

महीने की पहली खुराक

दूसरे दिवस से एंकातर (एक दिन छोड़कर) दिवस के लिए खुराक

तीसरे दिवस से एंकातर (एक दिन छोड़कर) दिवस के लिए खुराक

दूसरे दिन से प्रतिदिन की खुराक

एम बी बाल

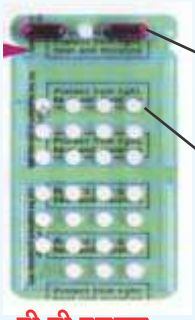

पी बी वयस्क

महीने की पहली खुराक

दूसरे दिन से प्रतिदिन की खुराक

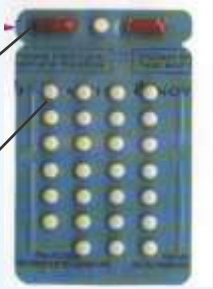

पी बी बाल

बहु औषध उपचार

- सुरक्षित
- गर्भकाल में भी सुरक्षित
- प्रभावी
- लेने में आसान है

बहुऔषध को

शुष्क, ठंडे और सुरक्षित स्थान पर तथा बच्चों की पहुंच से दूर रखें

कुष्ठ रोग को फैलने से रोकने का सर्वोतम तरीका

कुष्ठ रोग की प्रांरभिक अवस्था से पता लगाएं और एमडीटी द्वारा उसका उपचार करें।

हम कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्तियों की सहायता किस प्रकार कर सकते है? (आशा के कर्त्तव्य / दायित्व)

- कुष्ठ रोग का कलंक मिटाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करें एंव स्वेच्छा से निदान तथा उपचार करवाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति और रोग की जटिलताओं की पहचान करें।
- उसे उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह सुनिश्चित करें की रोगी नियमित उपचार करवा रहा है।
- रोगी को उपचार पूरा करने/करवाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विकृति को रोकने के लिए रोगी को स्वयं परिचर्चा (डॉक्टर/स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार) का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

कुष्ठ रोग
के बारे में
सही जानकारी
फैलायें

आओ बात कर

इस तस्वीर को ध्यान से देखिए:-

- इसमें दर्शाई गई विरूपता को नोट करें-
- इस विकृति का क्या कारण है?
- यह कुष्ठ रोग से ग्रस्त है।

क्या इस प्रकार की विरूपता कुष्ठ रोग से ग्रस्त सभी व्यक्तियों में पाई जाती है?
नहीं, यह साधारणतया तब होती है, यदि

- कुष्ठ का उपचार नहीं करवाया जाता उपचार देर से शुरू करवाया जाता है
- उपचार नियमित नहीं करवाया जाता है
- उपचार पूरा नहीं करवाया जाता अथवा असंवेदनषील अंगो की सुरक्षा नहीं की जाती है तो कुश्ठ प्रभावित व्यक्ति में विरूपताएं अथवा अपंगता पनप सकती है।

क्या इस प्रकार की विरूपता कुष्ठ रोग से ग्रस्त सभी व्यक्तियों में पाई जाती

कुष्ठ के कारण दैनिक कार्यकलापों को प्रभावित करने वाली सामान्य असमर्थताएं इस प्रकार है-

- पलकों का पूरी तरह बंद न होना और आंखों की रोशनी कम अथवा पूरी तरह समाप्त हो सकती है।

- हाथों व पावों में संवेदनहीनता होना- संवेदनहीनता के साथ-साथ पसीना भी नहीं आता है जिससे त्वचा शुश्क बनती है जिससे त्वचा में दरारें पड़ती है और बार-बार घाव होने की संभावना होती है।

- हाथों व पावों में कमजोरी तथा विकृति- मांसपेशियों में कमजोरी के कारण जोड़ों पर मांसपेशियों का संतुलन बिगड़ जाता है तथा यदि ठीक से देखभाल न की जाए तो सिकुड़न तथा स्थायी दिव्यांगता हो जाती है। मांसपेशियों में कमजोरी के कारण व्यक्ति की कलाई और पांव उतर/लटक सकते हैं।

स्वंय देखभाल की क्रियाओं के अभ्यास से रोग से संबधित विकृतियां तथा अपंगताएं रोकी जा सकती हैं तथा सर्जरी द्वारा प्रभावित अंग को कार्य करने लायक बनाया जा सकता है

विरूपता और अशक्तता के लिए-

- कुष्ठ का शुरूआती चरणों में पता लगाएं
- बहुऔषध उपचार शुरू करें
- नियमित और पूरा उपचार सुनिश्चित करें

विकृति को बिगड़ने/कुरूप होने से रोकना-

- उपचार कर रहे चिकित्सक द्वारा दी गई सलाह के अनुसार रोगी द्वारा खुद की स्वयं देखभाल की क्रियाओं का अभ्यास करना सुनिश्चित करें।

पहले से हुई विकृति/अपगंता को ठीक करना-

- प्रभावित अंग को कार्य करने योग्य बनाने के लिए ज्यादातर विकृतियां ठीक की जा सकती हैं।
- विकृति/विरूपता को सर्जरी द्वारा भी ठीक किया जा सकता है।
- स्वास्थ्य संस्थानों पर चिकित्सक कुष्ठ से पीड़ित अशक्त व्यक्ति की सहायता कर सकता है।

आशा द्वारा रोगी के उपचार की नियमितता और पूर्णता को मॉनीटर करना

- जब एम.डी.टी का उपचार चल रहा हो तो कुश्ठ प्रभावित व्यक्ति के घर हर महीने जांए।
- सुनिश्चित करें कि कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति नियमित तौर पर निर्धारित दिनांक से एक या दो दिन पहले दवा लेने जाता है और पिछले माह प्राप्त दवा का खाली पत्ता वापिस करता है।
- यदि रोगी हर महीने औषधि नहीं ले जा रहा है, तो कारण पता लगांए, रोगी को नियमित उपचार के फायदे बतांए तथा चिकित्सक से उसकी समस्या का समाधान के बारे में विचार-विमर्श करें।

कुष्ठरोग को फैलने से रोकने का सर्वोतम तरीका-

कुष्ठ रोग की प्रांरभिक अवस्था से पता लगांए और एमडीटी द्वारा उसका उपचार करें।

हम कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्तियों की सहायता किस प्रकार कर सकते है? ('आशा के कर्त्तव्य/दायित्व)

- कुष्ठ रोग को मिटाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करें एंव स्वेच्छा से निदान तथा उपचार करवाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति और रोग की जटिलताओं की पहचान करें।
- उसे उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह सुनिश्चित करें की रोगी नियमित उपचार करवा रहा है।
- रोगी को उपचार पूरा करने/करवाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अपंगता को रोकने के लिए रोगी को स्वयं परिचर्चा (डॉक्टर/स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार) का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

कुष्ठ के लिए जागरूकता उत्पन्न करें

रोग साध्य है

- कुष्ठ, रोगाणुओं के कारण होने वाल अन्य संक्रामक रोगों की तरह ही है व पूर्णत-साध्य है।
- एम.डी.टी. से पूर्ण उपचार संभव है जो सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर उपलब्ध हैं।
- बहुऔषध उपचार निषुल्क उपलब्ध हैं।
- अधूरे और अपर्याप्त उपचार से कुष्ठ रोग ठीक नहीं होता।
- रोग दुबारा न होने व विरूपता के निवारण के लिए निर्धारित एम. डी.टी. का उपचार पूरा करना चाहिए।

रोग से डरने की आवश्यकता नहीं है– कुष्ठ का संक्रमण सभी को नहीं होता।

- उपचार करवाते समय कुष्ठ रोगी को घर पर रखा जा सकता है और वह सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है अर्थात् स्कूल जाना, काम करना, खेलना, शादी करना आदि।
- यदि बहुऔषध उपचार सही तरीके से नहीं करवाया जाता तो रोगी अन्य व्यक्तियों, खासकर परिवार के बच्चों में रोग फैल सकता है।
- उपचारित रोगी गैर-संक्रमक होते हैं।

कुष्ठ के डर को दूर भगायें
सही जानकारी फैलायें

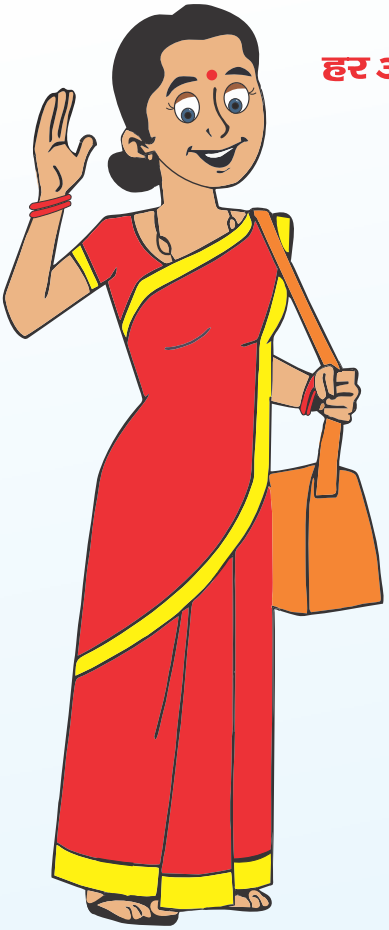

हर आशा को अपने क्षेत्र में सर्वे करना है

- एक कागज पर संदिग्ध कुष्ठ रोगी की जानकारी मासिक बैठक में अपने चिकित्सा अधिकारी को देनी है।
- संदिग्ध कुष्ठ रोगियों का पता लगाकर उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में रेफर करें।
- संदिग्ध कुष्ठ रोगियो की सूचना स्वयं हस्ताक्षर कर ABSULS प्रारूप एस-1 पर भरकर Medical Officer (PHC) को monthly meeting के दौरान दें।
- यदि किसी क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध कुष्ठ रोगी ना मिलें तो ABSULS प्रारूप एस-1 में सूचना Nil/शून्य कर दें।

प्रारूप–एस I

ABSULS एस–1

यह प्रारूप आशा के द्वारा मासिक बैठक मे भरा जायेगा

ए0एन0एम0 का नामः..... सब सेन्टर.....	रिर्पोट का माहः.....

यह ए0एन0एम0 के द्वारा भरा जायेगा			यह आशा के द्वारा भरा जायेगा	
क0 सं0	आशा का नाम	गाँव/क्षेत्र	पहचाने गये संदिग्ध रोगी और उसको संदर्भित करने का माह	**हस्ताक्षर**

ए0एन0एम0 के द्वारा उस आशा का नाम चिन्हित किया जायेगा जिसका क्षेत्र/गाँव अनियमित क्रम मे भ्रमण के लिए चुना गया है।

प्रोत्साहना राशि

आशा को प्रोत्साहना राशि (कुष्ठरोगी की पुष्टि/इलाज करवानें पर)

यदि किसी व्यक्ति में कुष्ठरोग के सदेंह की पुष्टि हो तो	आशा वर्कर को 250/- रूपए की राशि दी जाती है
यदि कुष्ठरोग की पुष्टि विकलांगता होने के बाद हो	आशा वर्कर को 200/- रूपए की राशि दी जाती है
कुष्ठरोगी का उपचार पूरा होने पर	पीबी मरीज का उपचार पूरा होने पर 400/-रूपए
	एमबी मरीज का उपचार पूरा होने पर 600/- रूपए

1. कुष्ठरोगी का बहुऔषध ईलाज प्रारंभ होने के बाद कुष्ठरोग प्रभावित व्यक्ति के घर हर महीनें जाएं।
2. सुनिश्चित करे की कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति नियमित तौर पर निर्धारित दिनांक से एक या दो दिन पहले दवा ले जाए और पिछले माह प्राप्त दवा का खाली प□ा वापिस करें।
3. यदि रोगी हर महीने दवाई नही ले जा रहा है तो कारण पता लगाए, रोगी को नियमित उपचार के फायदे बताऐं और चिकित्सक से उसकी समस्या के समाधान के लिए विचार विमर्श करें।
4. यह भी सुनिश्चित करें की रोगी प्रतिदिन दवाई ले रहा है।

STATE HEADQUARTER

S.No.	Name	Designation	Tel. Office	Mobile Number
1	Dr. Jasjeet Kaur	State Leprosy Officer	0172-5064915	8558897494
2	Talvinder Kaur	Budget & Finance Officer	0172-5064915	8558897496
3	Deepika Begra	Data Entry Operator	0172-5064915	8708429484

S.No.	Name of the District	District Leprosy Officers	Mobile Number
1	Ambala	Dr. Pawan	9729992266
2	Bhiwani	Dr. Suman Vishwa Karma	9416766799
3	Faridabad	Dr. Sheela Bhagat	9818332291
4	Fatehabad	Dr. Hanuman	8059735022
5	Gurgaon	Dr. Vijay Kumar	9811678575
6	HISAR	Dr. Kaushal Verma	9416080468
7	Jhajjar	Dr. Jitender	9416514153
8	Jind	Dr. Pale Ram	8708886583
9	Kaithal	Dr. Sandeep Batish	8901232325
10	Karnal	Dr. Simmi Kapoor	9896349684
11	Kurukshetra	Dr.Anupma Saini	9466095150
12	Mahendergarh	Dr.Ashok Kumar	9812131416
13	Mewat	Dr. Praveen Kumar	9991424553
14	Palwal	Dr. Rekha Singh	7027840452
15	Panchkula	Dr. Rajesh Raju	9988114294
16	Panipat	Dr. Munish	9416181909
17	Rewari	Dr. T.C.Tanwar	9416117878
18	Rohtak	Dr Gopal Goyal	7015931805
19	Sirsa	Dr. Rohtash	9416779446
20	Sonepat	Dr. Tarun Yadav	9813027115
21	Yamuna Nagar	Dr. Anoop Goel	9355688124

S.No.	Name of the District	Para Medical Worker	Mobile Number
1	Ambala	Mr. Ashok Kumar	9729911899
2	Bhiwani	Mrs. Saroj Devi	9991773331
3	Faridabad	Mr. Virender Singh	9991670446
4	Fatehabad	Mr. Surender Kumar	9466110166
5	Gurgaon	Mr. Pradeep Kumar	9868599725
6	HISAR	Mr. Naveen Kumar	9812622344
7	Jhajjar	Mr.Deepak kumar	8607776665
8	Jind	Mr. Gurdev	9728642551
9	Kaithal	Mr. Jitender Kumar	9050763321
10	KARNAL	Mrs. Vandana Arya	9017847450
11	Kurukshetra	Mr. Pankaj Atray	9215710073
12	Mahendergarh	Mr. Rakesh Kumar	9416373593
13	Mewat	Mr.Pawan Kumar	9991857944
14	Palwal	Mr. Pawan Kumar	8168439481
15	Panchkula	Mr.Man Singh	94663-79891
16	Panipat	Mr. Jai Singh	9896246969
17	Rewari	Mr. Vinod Kumar	9996870870
18	Rohtak	Mr. Ashok Kumar	9466338596
19	Sirsa	Mr. Suresh Kumar	9466376785
20	sonipat	Mr. Deepak Kumar	9813027115
21	YamunaNagar	Mr. Gurmail Singh	9466071159

मैं भी आपकी तरह
बहुत प्यारी हूं
हाथ मिलाएं, कुष्ठ मिटाएं
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा

हाथ मिलाएं, कुष्ठ मिटाएं

''आइये हम सब शपथ लें, कि मैं संभावित कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्ति को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में आने के लिए प्रेरित करूंगा / करूंगी। मै यह भी सुनिश्चित करूंगा / करूंगी कि अगर उसे कुष्ठ रोग है तो उसका पूरा इलाज करवाने में मदद करूंगा / करूंगी।

अगर मेरी नजर में मेरे परिवार, पड़ोस और समाज में कोई कुष्ठ रोग का मरीज है तो मैं उसके साथ बैठने, खाने या घूमने-फिरने पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करूंगा / करूंगी।

मैं यह भी शपथ लेता / लेती हूं कि मैं कुष्ठ रोग पीड़ित व्यक्ति के साथ सामाजिक भेदभाव के रोकथाम के लिए सदा प्रयत्नशील रहुंगा / रहुंगी।

मैं यह भी शपथ लेता / लेती हूं कि मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना 'कुष्ठ मुक्त भारत' को साकार करने के लिए सदा प्रयत्नशील रहुंगा / रंहुगी''।

कुष्ठ के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा